राष्ट्रीय सेवा योजना

National Service Scheme (NSS)

प्रारम्भ –

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रपिता महात्मागाँधी के जन्म शताब्दी एवं 24 सितम्बर 1969 में राष्ट्रीय सेवा योजना इस आशय के साथ प्रारम्भ की गई कि उच्च शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्व, चेतना, स्वप्रेरित अनुशासन के साथ श्रम के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न हो। विद्यार्थी अपने रिक्त समय एवं अवकाश का सदुपयोग करने हेतु समाज सेवा करें तथा अपनी शिक्षा की पूर्णता हेतु वास्तविक परिस्थितियों से साक्षात्कार भी कर सकें, जिससे उनके व्यक्तित्व का विकास हो।

मध्यप्रदेश में सन् 1969 में राष्ट्रीय सेवा योजना सर्वप्रथम प्रदेश के दो विश्वविद्यालयों में शुरू की गई एवं वर्तमान में प्रदेश के सात विश्वविद्यालयों में कार्यक्रम समन्वयक रासेयो प्रकोष्ठ द्वारा इसका संचालन किया जा रहा है। सन् 1988 में 10+2 में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रारंभ की गई। 1990 में मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय सेवा योजना का पाठ्यक्रम लागू किया गया जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के पाठ्यक्रम को ए, बी एवं सी प्रमाण पत्र में विभक्त किया गया।

संगठन – भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रारंभ में प्रवर्तित तथा वर्ष 2016 से केन्द्र द्वारा पूर्ण अनंदानित योजना है जो मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के नियंत्रण में विश्वविद्यालय द्वारा 10+2 विद्यालय/उच्च शिक्षा, तकनीकी, कृषि, चिकित्सा, शिक्षा की संस्थाओं में स्थापित रा.से.यो. इकाइयों के माध्यम से चलाई जाती हैं।

राष्ट्रीय संगठनात्मक प्रशासनिक प्रबंध

भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (युवा कार्यक्रम विभाग)

↓

सचिव युवा कार्यक्रम

↓

रासेयो क्षेत्रीय निदेशालय

↓

उप/सहायक कार्यक्रम सलाहकार/युवा अधिकारी (क्षेत्रीय निदेशालय)

↓

राज्य संगठनात्मक प्रशासनिक प्रबंध

↓

उच्च शिक्षा विभाग

↓

अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/ सचिव

↓

राज्य एन एस एस अधिकारी (राज्य स्तर प्रकोष्ठ)

↓

कार्यक्रम समन्वयक (विश्वविद्यालय प्रकोष्ठ)

↓

जिला संगठक (केवल म.प्र. में लागू)

↓

प्राचार्य/ कार्यक्रम अधिकारी (संस्था स्तर)

↓

स्वयंसेवक

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के प्रमुख विवरण :-

राष्ट्रीय सेवा योजना **(NSS)** के प्रमुख विवरण :-

रा.से.यो. - राष्ट्रीय सेवा योजना **(NSS – NATIONAL SERVICE SCHEME)**

रा.से.यो. का उद्देश्य :-

समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास।

Student personality development through community service.

रा.से.यो. का लक्ष्य

शिक्षा द्वारा समाज सेवा एवं समाज सेवा द्वारा शिक्षा।

अभिवादन :–

एन.एस.एस. के सदस्य परस्पर अभिवादन हेतु ''जय हिन्द'' का घोष करते हैं। (केवल म.प्र.) में मान्य परम्परा।

सिद्धान्त वाक्य :–

राष्ट्रीय सेवा योजना का सिद्धान्त वाक्य (मोटो) - 'मैं नहीं आप **(Not Me But You)** - यह सिद्धान्त वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम् का सार बताता है। निःस्वार्थ सेवा की आवश्यकता का समर्थन करता है कि हम दूसरे के दृष्टिकोण की सराहना करने वाले बनें तथा प्राणी मात्र के लिये सहानुभूति रखें। इस तरह यह एक सर्वधर्म संभाव राष्ट्र से युक्त (प्रजातान्त्रिक) समाज के निर्माण का लक्ष्य प्रस्तुत करता है।

प्रेरणा पुरूष :- मानव सेवा एवं युवा चेतना के प्रतीक स्वामी विवेकानन्द जी को राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रेरणा पुरूष मान्य किया गया है। स्वामी विवेकानन्द जी को वर्ष 1985 अन्तर्राष्ट्रीय युवा वर्ष के अन्तर्गत भारत सरकार ने युवाओं का प्रतीक पुरूष मान्य किया तबसे ही राष्ट्रीय सेवा योजना में उन्हें प्रेरणा पुरूष के रूप में मान्य किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतीक चिन्ह

उड़ीसा के कोणार्क स्थित सूर्य मन्दिर के रथ के चक्र पर आधारित है। सूर्य मन्दिर के ये विशाल चक्र सृजन, संरक्षण और निर्मुक्ति के आवर्तन को अभिव्यक्त करते हैं तथा काल और स्थान से पूरे जीवन में गति का महत्व बताते हैं। प्रतीक का अभिकल्प (डिजायन) सूर्य रथ के चक्र का सरलीकृत रूप है, मुख्यतः गति को दर्शाता है, यह निरंतरता, समाज में परिवर्तन लाने और उसे उन्नत करने के लिए निरन्तर आगे बढ़ने के लिए प्रसास करने का द्योतक है।

रा.से.यो. का बैज

रा.से.यो का बैज मूलतः प्रतीक चिन्ह पर आधारित है। जिसमें विभिन्न रंगों का समावेश कर बैज बनाया गया है। प्रतीक का अभिकल्प (डिजायन) सूर्य रथ के चक्र का सरलीकृत रूप है जिसमें प्रत्येक पहिये में 8 तीलियाँ हैं जो 8 प्रहर दर्शाती हैं। इसलिए जो व्यक्ति इस बैज को धारण करता है उसे यह बैज याद दिलाता है कि वह राष्ट्र सेवा के लिए दिन–राज अर्थात् 24 धण्टे (आठों प्रहर) तत्पर रहे। बैज में जो लाल रंग है वह इस बात का संकेत करता है कि रा.से.यो. के स्वयं सेवकों में पूरा उत्साह है और वे जीवन्त हैं, सक्रिय हैं और उनमें स्फूर्ति है। गहरा नीला रंग उस ब्रह्माण्ड की ओर संकेत करता है जिसका रा.से.यो एक छोटा सा अंश है और जो मानव मात्र का कल्याण करने के लिए अपना अंशदान करने को तैयार है।

रा.से.यो. स्वयंसेवकों के लिए अचारण संहिता :–

1. सभी रा.से.यो. स्वयंसेवक कार्यक्रम अधिकारी द्वारा नियुक्त किये गये दलनायक के मार्गदर्शन में कार्य करेंगे।
2. दल/समुदाय के नेतुत्व के लिए वे सहयोग एवं विश्वास के पात्र बनेंगे।
3. उन्हें हर स्थिति में असामाजिक एवं अस्वच्छ कार्य–कलापों से दूर रहना चाहिए।
4. वे अपनी देनन्दिनी गतिविधियों/अनुभवों को इस डायरी में संलग्न पृष्ठों पर अभिलेखित करेंगे और समय–समय पर अवलोकनार्थ प्रस्तुत करेंगे।
5. प्रत्येक स्वयंसेवक को एन.एस.एस. कार्य के समय एन.एस.एस. बैज धारण करना चाहिए।

रा.से.यो. का उद्देश्य :–

''समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास''

ABC प्रमाण पत्र की जानकारी

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की नियमित एवं विशेष शिविर गतिविधियों के लिए सुझाए गए 6 कार्यक्षेत्रों को ही इस ABC पाठ्यक्रम का आधार बनाया गया है। प्रमाण–पत्रों की श्रेणीबद्धता विभिन्न स्तर से विद्यार्थियों की क्षमता और रूचि को ध्यान में रखकर की गयी है। प्रत्येक प्रमाण–पत्र के पाठ्यक्रम में चयनात्मक गतिविधियाँ निर्धारित की गई हैं, जिनमें से प्रत्येक समूह से कम से कम एक गतिविधि स्वयंसेवक की इच्छानुसार चयन की जाएगी, ताकि विद्यार्थी का बहुविधि विकास हो सके। यह ध्यान में रखने की बात है कि एक प्रमाण–पत्र के लिए किया गया गतिविधियों का चयन अगले प्रमाण–पत्र में यथासंभव न किया जाए।

यद्यपि 'ए' एवं 'बी' श्रेणी के प्रमाण–पत्र के लिए कुल 6 क्षेत्रों से गतिविधियाँ चयन की जाएंगी, तथापि जन साक्षरता में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को यह छूट होगी कि वे चयनात्मक समूहों में से तीन गतिविधियों का ही चयन करें।

'ए' प्रमाण–पत्र यह प्रमाण–पत्र स्कूल स्तर पर +2 कक्षाओं में अध्ययनरत रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिवर्ष (नियमित गतिविधि) में 120 घण्टे के हिसाब से 2 वर्ष में 240 घण्टे का पाठ्यक्रमानुसार सेवाकार्य करने के उपरान्त, मूल्यांकन में सफल होकर प्राप्त किया जा सकता है। अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त प्रत्येक स्वयंसेवक को भाग – 1 के प्रत्येक समूह से कम से कम एक ऐच्छिक गतिविधि का चयन कर कार्य करना होगा। इस प्रकार वह 2 वर्षों में 12 गतिविधियों के क्षेत्रों में कम से कम 240 घण्टे का सेवा कार्य करेगा।

'बी' प्रमाण–पत्र इस प्रमाण–पत्र के लिए महाविद्यालय/डाइट/पोलीटैक्निक के उपाधि/पत्रोपाधि/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनतर रासेयो स्वयंसेवक कार्य करें। 'ए' प्रमाण–पत्र धारी स्वयंसेवक अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त भाग–2 के प्रत्येक समूह में से एक गतिविधि का चयन कर कार्य करेगा और इस प्रकार एक वर्ष में 6 गतिविधियों के क्षेत्र में कार्य करेगा। जो स्वयंसेवक 'ए' प्रमाण–पत्र धारी नहीं हैं वह रासेयो के प्रथम वर्ष में अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त भाग–1 के प्रत्येक समूह से एक गतिविधि का चयन कर कार्य करेगा तथा रासेयो के द्वितीय वर्ष में अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त भाग–2 के प्रत्येक समूह से एक गतिविधि का चयन कर कार्य करेगा। साह भी रासेयो एवं सामान्य ज्ञान की लिखित परीक्षा ली जायेगी।

'सी' प्रमाण–पत्र

पाठ्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए स्वयंसेवक को 'बी' प्रमाण–पत्र धारी तथा कम–से–कम एक 7 दिवसीय पूर्ण कालिक शिविर का अनुभव होना आवश्यक है। स्वयंसेवक अनिवार्य गतिविधियों के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की चयनात्मक गतिविधियों के प्रत्येक समूह से कम से कम एक गतिविधि पर कार्य करेगा तथा स्वयं के द्वारा किये गए कार्य के अनुभव एवं सामाजिक प्रासंगिकता से सम्बन्धित उसके द्वारा प्रस्तुत विषय पर संस्था की रासेयो सलाहकार समिति द्वारा अनुमोदनोपरान्त, वह 20–30 अंकित/हस्तलिखित पृष्ठों की प्रोजेक्ट–रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। इसका मूल्यांकन विश्वविद्यालय स्तर पर होगा तथा एक समिति द्वारा स्वयंसेवक का व्यक्तित्व परीक्षण किया जायेगा।

गतिविधियों की जानकारी –

1. रक्तदान कार्यक्रम।
2. पौधारोपण कार्यक्रम।
3. परिचर्चा।
4. स्वच्छता गतिविधि।
5. नशामुक्ति, बालश्रम, बालविवाह, सड़क सुरक्षा अन्य जागरूकता रैली।
6. एड्स जागरूकता कार्यक्रम।
7. साक्षरता कार्यक्रम।
8. परेड, पीटी, योगा एवं खेल।

शिविरों की सूची –

1. संस्था इकाई शिविर।
2. जिला स्तर शिविर।
3. विश्वविद्याल स्तर प्रशिक्षण शिविर।
4. राज्य स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर।
5. राष्ट्रीय एकात्मकता शिविर।
6. राष्ट्रीय साहसिक गतिविधि शिविर।
7. राष्ट्रीय विशाल (मेगा) शिविर।
8. राष्ट्रीय युवा समागम।
9. पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर।
10. गणतंत्र दिवस परेड शिविर।

पुरस्कार –

1. मध्यप्रदेश राज्य स्तर राष्ट्रीय योजना पुरस्कार/प्रशस्ति पत्र।
2. एनएसएस इंदिरा गांधी पुरस्कार (राष्ट्रीय पुरस्कार)।

S राज्य स्तर राष्ट्रीय योजना पुरस्कार/प्रशस्ति पत्र उत्कृष्ट स्वयंसेवकों को समाज सेवा में उल्लेखनीय कार्य के लिए मध्यप्रदेश शासन उच्चशिक्षा विभाग की ओर से दिया जाता है।

S एनएसएस इंदिरा गांधी पुरस्कार (राष्ट्रीय पुरस्कार) पूरे भारत में से 30 उत्कृष्ट चयनित स्वयंसेवकों को दिया जाता है, यह राष्ट्रीय पुरस्कार राष्ट्रपति भवन के दरबार हाल में राष्ट्रपति के द्वारा दिया जाता है।

एनएसएस प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेज –

1. 10वीं की मार्कशीट फोटो कॉपी।
2. 12वीं की मार्कशीट फोटो कॉपी।
3. आधार कार्ड फोटो कॉपी।
4. दो फोटो पासपोर्ट साइज

राष्ट्रीय सेवा योजना – लक्ष्य गीत (अनिवार्य)

उठें समाज के लिए उठें–उठे
जगे स्वराष्ट्र के लिए जगें–जगें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें–2

हम उठें,उठेगा जग हमारे संग साथियों
हम बढ़े तो सब बढ़ेगे अपने आप साथियों
जमीं पे आसमान को उतार दें
जमीं पे आसमान को उतार दें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें–2

उदासियों को दूर कर ,खुशी को बांटते चलें
गांव और शहर की दूरियों को पाटते चलें
ज्ञान को प्रचार दें प्रसार दें
विज्ञान को प्रचार दें प्रसार दें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें–2

समर्थ बाल वृद्ध और नारियां रहें सदा
हरे भरे वनों की शाल ओढ़ती रहे धरा
तरक्कियों की एक नई कतार दें
तरक्कियों की एक नई कतार दें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें–2

ये जाति धर्म बोलियॉ बने न शूल राह की
बढ़ाएँ बेल प्रेम की अखडता की चाह की
भावना से ये चमन निखार दे
सद्भावना से चमन निखार दे
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें–2

उठें समाज के लिए उठें–उठे
उठें समाज के लिए उठें–उठे
जगे स्वराष्ट्र के लिए जगें–जगें
जगे स्वराष्ट्र के लिए जगें–जगें
स्वयं सजें वसुन्धरा संवार दें–2

प्रेरक उदबोधन

1.देश की दौलत– नौजवान ,देश की ताकत नौजवान

देश की इज्जत–नौजवान–नौजवान–नौजवान–नौजवान

2.कश्मीर हो याकन्याकुमारी।भारत माता एक हमारी।।

3.मानव मानव एक समान जॉत–पॉत का मिटे निशान।

4. सूखी धरती करे पुकार । वृक्ष लागाकर करो श्रृंगार।।

5.शिक्षा से अन्याय मिटायें।भाई–चारा खूब बढ़ाये।।

6.पढ़ना–लिखना है आसान ,पढ़ लिख कर सब बने महान।।

7.अन्धकार को क्यों धिक्कारें। अच्छा हो एक दीप जलायें।।

8.जागे देश की क्या पहचान । पढ़ा लिखा मजदूर किसान।।

9.पढ़ेंगे पढ़ायेंगे जीवन सुखी बनायेंगे।

10.पढ लो बहनों पढ़ लो भाई। पढ़ना लिखना है सुखदाई ।।

11.प्रकृति के दुश्मन तीन पाउच ,पन्नी,पोलिथीन ।।

12.काम ना चलता बातों से काम करे दोनों हाथो से।।

रोजगार के अवसर

–सभी सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओ में रोजगार की असीम सम्भावनाए।

स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग मे रोजगार की सम्भावनाए